अहर्म्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

नवपदार्थ : जीव–अजीव – 40

प्र.1 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 10

(जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) जीव को भूत क्यों कहा गया है? (ख) भाव जीव किसे कहते हैं?

(ग) आचार्य भिक्षु ने आध्यात्मिक वीर किसे कहा है?

(घ) सिद्ध करें कि आत्मा, शरीर व इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है।

(अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(ङ) जीव और पुद्गल की गति लोक के बाहर क्यों नहीं हो सकती?

(च) काल के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण लिखें।

(छ) धर्म, अधर्म व आकाश के प्रदेशों के माप का आधार क्या है?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 12

(जीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) जीव को विकर्ता किस अपेक्षा से कहा गया है?

(ख) नव पदार्थ का ज्ञान क्यों करना चाहिए? (ग) जीव शाश्वत–अशाश्वत कैसे है?

(अजीव : किसी एक प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) छह द्रव्यों में कितने द्रव्य सक्रिय हैं और कितने निष्क्रिय?

(ड.) समय क्षेत्र किसे कहते हैं?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 18

(क) पाँच भावों का वर्णन करें।

'अथवा'

जीव के तेईस नामों का उल्लेख करते हुए बताएँ कि जीव को वेद, आत्मा चेता, जेता, जगत, जंतु और नायक क्यों कहा गया है?

(ख) परमाणु की विशेषताओं का वर्णन करें।

'अथवा'

काल का स्वरूप क्या है?

अवबोध – जीव से संवर – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक लाईन में लिखें – 8

(क) 15 कर्म भूमि कौन–कौन सी है? (ख) योनि किसे कहते हैं?

(ग) भाव लेश्या जीव क्यों है? (घ) नौ तत्त्वों में कितने व कौन से तत्त्व अजीव हैं?

(ङ) अप्रमाद संवर कौन से गुणस्थान से प्रारम्भ होता है?

(च) संवर की स्थिति कितनी है? (छ) कषाय आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ज) पाप बंध का मुख्य हेतु क्या है? (झ) क्या धर्म और पुण्य एक है?
(ञ) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?
(ट) किस सूत्र में भाव लेश्या को अरूपी व जीव कहा गया है?

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) अशुभ योग तो सातवें गुणस्थान में रूक जाता है, फिर अयोग संवर चौदहवें गुणस्थान में ही क्यों?
(ख) प्रमाद आश्रव की जनक प्रकृतियाँ कौन–कौन सी हैं?
(ग) मिथ्या दर्शन को शल्य क्यों कहा गया है?
(घ) संहनन और संस्थान पुद्गल के होते हैं या जीव के?
(ङ) प्राण और पर्याप्ति में क्या अन्तर है?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें – 10

(क) अजीव के सर्वाधिक प्रकार कितने हैं?
(ख) पुण्यानुबंधी पुण्य की चौभंगी क्या आगमोक्त है? उसके भेदों की नाम सहित व्याख्या करें?
(ग) तत्त्व क्या है? नौ तत्त्वों में जीव कितने अजीव कितने? व नौ तत्त्वों में एक दूसरे के प्रतिपक्षी तत्त्व कौन कौन से हैं?
(घ) पाप की परिभाषा बताते हुए प्राणातिपात पाप, अभ्याख्यान, पैशुन्य, परपरिवाद पाप की व्याख्या करें।

अमृत कलश, भाग–3 (छठा, सातवां चषक–तप को छोड़कर) – 30

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 5

(क) अभवी साधु वेष क्यों स्वीकार करता है? (ख) सम्यक्त्व प्राप्ति के हेतु क्या हैं?
(ग) आवश्यक का क्या अर्थ है? (घ) देशव्रती श्रावक कौन होता है?
(ङ) मंगल शब्द से क्या तात्पर्य है? (च) अतिशय शब्द से क्या तात्पर्य है?
(छ) धनधाती से क्या तात्पर्य है?

प्र.8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में दें – 10

(क) णमोक्कार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए?
(ख) सिद्धों के साथ रहने वाले एकेन्द्रिय जीवों को भी क्या मोक्ष सुख की अनुभूति होती है?
(ग) उपाध्याय के पच्चीस गुण कौन से हैं?
(घ) ज्ञान, दर्शन, चारित्र–तीनों में प्रधानता किसको दी गई है?
(ड.) सामायिक का अधिकारी कौन हो सकता है?
(च) सम्यक्त्व विनाश के हेतु क्या हैं?
(छ) क्या अव्यवहार राशि में सूक्ष्म और बादर दोनों ही प्रकार के निगोद के जीव आते हैं?

प्र.9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 15

(क) रूचि, क्षमता और विकास के आधार पर श्रावक के कितने विभाग होते हैं? विस्तार से लिखें।
(ख) सामायिक में वचन के दस दोषों को अर्थ सहित लिखें।
(ग) वर्तमान में सच्चे साधु कौन हैं?
(घ) णमोक्कार मंत्र में किसको नमस्कार किया गया है तथा इसे महामंत्र क्यों कहा है?
(ड.) अर्हतों की अपेक्षा सिद्धों का स्थान ऊंचा है, फिर पहले अर्हतों को और बाद में सिद्धों को नमस्कार क्यों किया गया?